CBSE Class 8 Social Science Important Questions Geography Chapter 3 कृषि

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
आर्थिक क्रियाओं को कितने भागों में विभाजित किया जाता है?
उत्तर:
आर्थिक क्रियाओं को तीन भागों में विभाजित किया जाता है-प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्रियाएँ।

प्रश्न 2.
तृतीयक क्रियाओं के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर:

- यातायात
- बैंकिंग।

प्रश्न 3.
एग्रीकल्चर शब्द की उत्पत्ति कहाँ से हुई?
उत्तर:
एग्रीकल्चर शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्दों 'एगर या एग्री' जिसका अर्थ मृदा तथा 'कल्चर' जिसका अर्थ कृषि करना है, से हुई।

प्रश्न 4.
सेरीकल्चर का तात्पर्य किस फसल की खेती से है?
उत्तर:
सेरीकल्चर का तात्पर्य रेशम के कीटों से रेशम का उत्पादन करना है।

प्रश्न 5.
पीसीकल्चर का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
पीसीकल्चर का तात्पर्य मत्स्य-पालन से है।

प्रश्न 6.
विटीकल्चर का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
विटीकल्चर का तात्पर्य अंगूरों की खेती से है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
वाणिज्यिक उपयोग के लिए सब्जियों, फूलों तथा फलों को उगाना क्या कहलाता है?
उत्तर:
वाणिज्यिक उपयोग के लिए सब्जियों, फूलों तथा फलों को उगाना हॉर्टीकल्चर अथवा उद्यान कृषि कहलाता है?

प्रश्न 8.
जैविक कृषि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
जैविक कृषि में रासायनिक खादों के स्थान पर जैविक खाद और प्राकृतिक पीड़कनाशी का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 9.
वाणिज्यिक कृषि किसे कहते हैं?
उत्तर:
वाणिज्यिक कृषि में फसल उत्पादन और पशुपालन बाजार में विक्रय हेतु किया जाता है।

प्रश्न 10.
मिश्रित कृषि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर:
मिश्रित कृषि में भूमि का उपयोग भोजन व चारे की फसलें उगाने और पशुधन पालन के लिए किया जाता है।

प्रश्न 11.
मोटे अनाज की खेती किस प्रकार की मृदा में की जाती है?
उत्तर:
मोटे अनाज की खेती बलुई मृदा में की जाती है।

प्रश्न 12.
मक्का की फसल के लिए किन दशाओं की आवश्यकता है?
उत्तर:
मक्का की फसल के लिए मध्यम तापमान, वर्षा और अधिक धूप की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 13.
कॉफी की फसल के लिए किन दशाओं की आवश्यकता है?
उत्तर:
कॉफी की फसल के लिए गर्म एवं आर्द्र जलवायु और सु-अपवाहित दोमट मृदा की आवश्यकता होती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
निर्वाह कृषि से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:

evidyarthi

निर्वाह कृषि के अन्तर्गत एक कृषक परिवार द्वारा अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खेती की जाती है। निर्वाह कृषि परम्परागत तरीकों से की जाती है जिसमें निम्नस्तरीय प्रौद्योगिकी काम में ली जाती है तथा श्रम भी अधिक करना पड़ता है तथा फसल की उपज भी कम होती है। निर्वाह कृषि को पुनः गहन निर्वाह कृषि और आदिम निर्वाह कृषि में वर्गीकृत किया जा सकता है।

प्रश्न 2.
गहन निर्वाह कृषि को अपने शब्दों में स्पष्ट करें।
उत्तर:
गहन निर्वाह कृषि, निर्वाह कृषि का ही एक स्वरूप है। गहन निर्वाह कृषि में कृषक अपने छोटे भूखण्ड पर साधारण औजारों से अधिक श्रम करके खेती करता है। इस खेती में अधिक धूप वाले दिनों से युक्त जलवायु और उर्वर मृदा वाले खेत में, एक वर्ष में एक से अधिक फसलें उगाई जा सकती हैं। इसमें चावल मुख्य फसल होती है तथा अन्य फसलों में गेहूँ, मक्का, दलहन और तिलहन शामिल हैं। गहन निर्वाह कृषि दक्षिणी, दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी एशिया के सघन जनसंख्या वाले मानसूनी प्रदेशों में प्रचलित है।

प्रश्न 3.
चलवासी पशुचारण से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
चलवासी पशुचारण सहारा के अर्द्ध-शुष्क और शुष्क प्रदेशों में, मध्य एशिया और भारत के कुछ भागों जैसे राजस्थान तथा जम्मू और कश्मीर में प्रचलित है। इस प्रकार की कृषि में पशुचारक अपने पशुओं के साथ-साथ चारे और पानी के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर निश्चित मार्गों से घूमते हैं। पशुचारक मुख्यतः भेड़, ऊँट, मवेशी, याक और बकरियाँ पालते हैं। ये पशुचारकों और उनके परिवारों के लिए दूध, मांस, ऊन, खाल और अन्य उत्पाद उपलब्ध कराते हैं।

प्रश्न 4.
वाणिज्यिक अनाज कृषि से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
वाणिज्यिक अनाज कृषि, वाणिज्यिक कृषि का ही एक प्रकार है। वाणिज्यिक अनाज कृषि में फसलें वाणिज्यिक उद्देश्य से उगाई जाती हैं। इसमें गेहूँ और मक्का सामान्य रूप से उगाई जाने वाली फसलें हैं। विश्व में उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया के शीतोष्ण घास के मैदान वाणिज्यिक अनाज कृषि के प्रमुख क्षेत्र हैं। ये क्षेत्र सैकड़ों हेक्टेयर के बड़े फार्मों से युक्त बिरल आबादी वाले हैं। इसमें खाद्यान्नों का उत्पादन कर कृषक उन्हें बाजार में बेचकर आय प्राप्त करते हैं।

प्रश्न 5.
खाद्य सुरक्षा कब बनी रहती है?
उत्तर:
खाद्य सुरक्षा तभी बनी रहती है जब सभी व्यक्तियों को क्रियाशील और स्वस्थ जीवन जीने के लिए आहार की आवश्यकता और प्राथमिकता के आधार पर हर समय पर्याप्त सुरक्षित और पौष्टिक खाद्य पदार्थ की सुविधा उपलब्ध हो।

प्रश्न 6.
खाद्यान्न फसल के रूप में चावल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

चावल विश्व की मुख्य खाद्य फसल है। यह उष्णकटिबन्धीय और उपोष्णकटिबन्धीय प्रदेशों का मुख्य आहार है। चावल के लिए उच्च तापमान, अधिक आर्द्रता एवं वर्षा की आवश्यकता होती है। यह फसल चीकायुक्त जलोढ़ मृदा जिसमें जल रोकने की क्षमता हो, में सर्वोत्तम ढंग से बढ़ती है। चीन चावल उत्पादन में अग्रणी है। इसके बाद क्रमशः भारत, जापान, श्रीलंका और मित्र हैं। अनुकूल जलवायु के कारण प. बंगाल और बांग्लादेश में एक वर्ष में दो या तीन फसलें भी उगाई जाती हैं।

प्रश्न 7.
व्यापारिक फसल के रूप में कपास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
उत्तर:
कपास एक प्रमुख व्यापारिक फसल है। कपास की वृद्धि के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा, 200 से 210 पाला रहित दिन और तेज चमकीली धूप की आवश्यकता होती है। कपास काली और जलोढ़ मृदा में सर्वोत्तम उगती है। विश्व में चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, पाकिस्तान, ब्राजील और मिस्त्र कपास के अग्रणी उत्पादक हैं। कपास, सूती वस्त्र उद्योग के लिए प्रमुख कच्चा माल है।

evidyarthi